<u>शिक्षा मनोविज्ञान की पद्धतियाँ</u>(Methods of Educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान में अध्ययन और अनुसंधान के लिए प्रयोग की जाने वाली विभिन्न पद्धतियाँ निम्नलिखित हैं-

1. आत्मनिरीक्षण या अन्तदर्शन विधि (Introspective Method)

2. प्रयोगात्मक विधि (Experimental Method)

3. बहिदर्शन विधि (Extrospection Method)

4. जीवन इतिहास विधि (Case History Method)

5. मनोविश्लेषण विधि (Psycho-Analytical Method))

6. साक्षात्कार विधि (Interview Method)

7. प्रश्नावली विधि (Questionnaire Method))

8. उपचारात्मक विधि (Clinical Method)

9. गाथा वर्णन विधि (Anecdotal Method)

1. आत्मनिरीक्षण या अन्तर्दर्शन विधि (Introspective Method): अन्तदर्शन का अर्थ है 'To look with in' या Self Observation' जिसका अभिप्राय है- "अपने आप में देखना" या "आत्म-निरीक्षण" आत्म-निरीक्षण का तात्पर्य है "स्वयं में देखना"। इस पद्धति में व्यक्ति स्वयं अपनी मानसिक प्रक्रियाओं का निरीक्षण, विश्लेष और वर्णन करता है। आत्म-निरीक्षण में व्यक्ति अपने अनुभवों का स्मरण और अपनी भावनाओं का मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। आत्मनिरीक्षण के सम्बन्ध में इंग्लैण्ड के विख्यात दार्शनिक लॉक (Locke) के अनुसार, "मस्तिष्क द्वारा अपनी स्वयं की क्रियाओं का निरीक्षण" (The Notice which the mind takes of its own operations) करना। जैसे यदि कोई व्यक्ति क्रोध में है तथा वह

अपने क्रोध की अनुभूति के कारणों को स्वयं ज्ञात करे तथा इसके आधार पर क्रोध से सम्बन्धित मानसिक प्रक्रिया के नियम, सिद्धान्त अथवा दशाओं का निरीक्षण करे तो इसे अन्तदर्शन या आत्मनिरीक्षण कहा जायेगा।

गुण : (a) इस पद्धति के अन्तर्गत व्यक्ति अपनी मानसिक क्रियाओं और अवस्थाओं का ज्ञान प्राप्त करके अपने को समझने में समर्थ हो जाता है।

(b) इस विधि का प्रयोग किसी भी समय और किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।

(c) इस पद्धति का बार-बार प्रयोग करने से व्यक्ति की विचारशक्ति में वृद्धि होती है।

(d) यह पद्धति मनोविज्ञान की महत्वपूर्ण पद्धति है क्योंकि यह मनोविज्ञान को भौतिकी, रसायन आदि विज्ञानों से अलग करती है।

2. प्रयोगात्मक विधि (Experimental Method): प्रयोगात्मक विधि एक प्रकार की 'नियन्त्रित निरीक्षण (Controlled Observation) विधि है इसमें प्रयोगकर्ता स्वयं अपने द्वारा निर्धारित की हुई परिस्थितियों वातावरण में किसी व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन करता है या किसी समस्या के सम्बन्ध में तथ्य एकत्र करता है। अर्थात् नियन्त्रित अवस्था में व्यक्ति की अनुभूति और व्यवहार का अध्ययन करने की विधि प्रयोगात्मक विधि है। इस पद्धति के सफल प्रयोग के लिए विलियम वुण्ट (Willium Wundt) ने सन् 1879 ई. में पूर्वी जर्मनी (East) Germany) के लीपजिंग नामक स्थान पर प्रयोगात्मक मनोविज्ञान की प्रथम प्रयोगशाला (Laboratory) स्थापित की थी।

गुण: (a) यह विधि एक वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा सही आँकड़े या तथ्य एकत्र किये जाते हैं।

(b) इसके द्वारा प्राप्त निष्कर्षो की जाँच पुनः की जा सकती है।

(c) प्राप्त निष्कर्ष विश्वसनीय और सत्य होते हैं।

(d) शिक्षा सम्बन्धी अनेक कठिनाइयों का समाधान इस विधि से सम्भव है।

(e) उच्चस्तरीय प्रयोगात्मक अभिकल्पों का प्रयोग करके इस विधि के द्वारा मनोवैज्ञानिक समस्या का अध्ययन विशद् ढंग से किया जा सकता है।